पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

दोवडा

गाँव - दोवडा

पंचायत - दोवड़ा

तहसील - दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

दोवडा गाँव का परिचय

दोवडा गाँव दोवड़ा ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है। जो कि जिला कार्यालय डूंगरपुर से 16 किलोमीटर दूर बसा हुआ है। दोवड़ा पंचायत में चार गाँव है - डाबेला, दोवड़ा, नया गाँव निचला और चितरेटी। दोवडा गाँव से सटे हुए तीन गाँव है -उत्तर में मशानिया, फलोज, पूर्व में चितरेटी, दक्षिण में नयागाँव निचला और पश्चिम में डाबेला एवम् मालवा गाँव है । दोवडा एक राजस्व गाँव है, जिसमें 3 फलें है-

1. काकरी डूंगरी
2. पाहेता घाटी
3. दोवडा मुख्य गाँव

दोवड़ा गाँव में ही पंचायत भवन है। दोवडा गाँव में शिलालेख 4 फरवरी 2018 को हुआ और गाँव सभा का गठन भी उसी दिन कर दिया गया । दोवडा गाँव में 263 घर है जिनकी आबादी 1280 है । गाँव में एस. टी, एस.सी., ओबीसी और सामान्य जाति के लोग निवास करते है । एस.टी. में परमार, ननोमा, कटारा, अहारी, एस.सी. में मेघवाल, सरकार, खटीक, ओ.बी.सी. में पाटीदार, सुथार, लुहार, रावल जोगी तथा सामान्य जाति में जैन समाज के लोग है । गाँव में अधिकतर लोगों को पेसा कानून की जानकारी है । हर माह एक निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है । जिसमे गाँव की समस्याओं तथा आपसी मुद्दों को सुलझाया जाता है ।

गाँव की पूरी जमीन 1014 बीघा है जिसमें कृषि योग्य जमीन 550 बीघा है तथा बेनामी जमीन 30 बीघा है तथा चरागाह की जमीन 22 बीघा है । गाँव में जंगल नहीं के बराबर है जो कि केवल 3 बीघा है। संसाधनों के नाम पर गाँव में 4 मंदिर, 1 नाला, 2 एनिकट, 1 तालाब, 2 श्मशान घाट,1 पुलिस थाना, 1 वन-विभाग नर्सरी, 1 पॉवर हाउस, 3 सामुदायिक भवन, 1 उप-स्वास्थ्य केंद्र, 1 पशु चिकित्सालय,2 विद्यालय, 2 आंगनवाड़ी, 1 बीज गोदाम, 1 राशन की दुकान, 1 BRGB बैंक, 1 बस स्टैंड और 1 PWD भवन है ।

गाँव के लोगों ने पहले ही आपसी चर्चा कर के सरकारी संस्थानों के लिए गाँव में एक हिस्सा छोड़ रखा है ।

आवागमन की स्थिति

गाँव की सीमा पर मुख्य सड़क पक्की सड़क है और गाँव के भीतर ले जाने वाली रोड आधी सी.सी. रोड तथा आधी पक्की रोड है लेकिन यह काफी टूट चुकी है । लेकिन गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए अधिकतर सी.सी. सड़क और कच्ची सड़क ही है। गाँव के मुख्य सड़क से

सरकारी और प्राइवेट बस, ऑटो, जीप तथा निजी वाहन दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है, लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए बड़ा बाजार दोवड़ा मेन रोड पर है और मुख्य बाजार डूंगरपुर 16 किमी दूर आना पड़ता है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है। डूंगरपुर आने के के लिए मुख्य बस स्टेण्ड से बस या जीप मिल जाती है।

स्वास्थय व शिक्षा

गाँव में एक प्राइमरी विद्यालय तथा एक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल है। प्राथमिक स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, जिसके लिए वे प्रार्थना पत्र दे चुके है । उच्च शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे रोजाना आते-जाते है ।

गाँव में एक उपस्वास्थ्य केन्द्र है जो सही हालत में है और दवाइयाँ भी मिल जाती है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 3 किमी दूर दामडी में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 16 किमी दूर डूंगरपुर में है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल दोवड़ा में ही है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के अधिकतर घरों में बिजली है। गाँव में लगभग 100 इंदिरा आवास, 85 प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है तथा गाँव में 10 महिलाओं को विधवा पेंशन और 15 महिलाओं को एकलनारी पेंशन मिलती है। गाँव में 20 परिवारों को छोड़ कर बाकि सभी घरों में उज्जवला गैस कनेक्शन मिल चुका है। गाँव में 200 लोगों का श्रमिक कार्ड नहीं बना है।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि योग्य जमीन 550 बीघा ही है, जिसपर गेंहू, मक्का, उडद, मूंग और चना की खेती की जाती है। लेकिन यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। रोजगार के नाम पर मनरेगा और कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। दोवडा गाँव से 24 लोग अलग अलग सरकारी विभागों में कर्मचारी है ।

सिंचाई की व्यवस्था एवं स्थिति

सिंचाई के लिए तालाब, कुआँ, नाला, नहर की सुविधा है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतू में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमे पानी की कमी हो जाती है । इसके अलावा 2 एनिकट है जिनकी स्थिति तो अच्छी है लेकिन पानी ग्रीष्म ऋतू में सुख जाता है ।

चारागाह जमीन

14.5 बीघा जमीन को गाँव वासियों ने आपसी सहमती से आवश्यकता पड़ने पर तहसील एवं उपखंड कार्यालय के लिए सुरक्षित रखी है

गाँव की विभिन्न चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

गाँव में जंगल नहीं है, जहां आज से 30 साल पूर्व पहाड़ियाँ हरी-भरी थी,वहां पर लोगों ने अपने खेत बना लिये है। समतल जमीन पर जंगल पूरी तरह से खत्म हो गया है। केवल 3 बीघा जमीन पर ही जंगल बचा है । गाँव में बड़े पहाड़ नहीं है, लेकिन छोटी-छोटी डुंगरियाँ है। बारिश के पानी को रोकने के लिये जो 2 एनीकट बने है वे गर्मी में सूख जाते है।

आवागमन की समस्या

गाँव की सीमा पर मुख्य सड़क पक्की सड़क है लेकिन गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए अधिकतर सीसी सड़क और कच्ची सड़क ही है। गाँव में केवल 7 सड़क पक्की है लेकिन वह भी काफी ज्यादा टूट गयी है। जिस पर ऑटो, मोटर साईकिल या पैदल ही जाया जा सकता है। किन्तु खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है। इसके अलावा 6 सी.सी. सड़क, 3 कच्ची सड़क है । गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में लोगों के पास खातेदारी में न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है और वह भी परिवार के दूसरे लोगों की हिस्सेदारी में है। गाँव में अधिकतर लोगों को जमीन के पट्टे नहीं मिले है । ज्यादातर खेतों को समतलीकरण की आवश्यकता है । और असिंचित खेतों में नहरों की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारन उनमें केवल बारिश की पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है । अगर गाँव में पानी की चर्चा की जाये गाँव में 1 ही तालाब है लेकिन गहराई कम होने और रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। बारिश के पानी को रोकने के लिये 2 एनीकट है, ये गर्मीयों के मौसम में सूख जाते है । गाँव में पानी का स्तर 250 फुट

से नीचे है। गाँव में 39 कुएं है, जिनमें साल के मई, जून माह तक पानी खत्म हो जाता है। गाँव में 3 नहरों का कार्य अधूरा है, गाँव में 22 हेण्डपम्प है। जिनमें से 15 गर्मी के मौसम में सूख जाते है। सभी हेण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। वर्षा के जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। गाँव में चरागाह की जमीन मात्र 22 बीघा है। खेती की जमीन 550 बीघा है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरिदते है या फिर 4-5 परिवार वाले मिल कर 15000 से 17000 रूपये में भूसे का ट्रक खरिदते है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में 263 घर है, लेकिन पढने वाले बच्चों के लिए केवल एक प्राइमरी विद्यालय और एक सीनियर सेकेण्डरी विद्यालय है, प्राथमिक स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है, जिसके लिए वे प्रार्थना पत्र दे चुके है । उच्च शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे रोजाना आते-जाते है । गाँव के सरकारी स्कूल के शौचालय में बारिशका पानी टपकता है। गाँव की 2 आंगनवाडी है उसमें लोग अपने बच्चों को कम भेजते है क्योंकि छत खराब हो चुकी है जिससे बारिश का पानी अन्दर टपकता है। गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र दोवड़ा में और सरकारी हॉस्पिटल दामडी गाँव में 3 किमी दूर है, बडा हॉस्पीटल गाँव से 16 किमी दूर डूंगरपुर शहर में है जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

दोवडा गाँव में केवल बारिश के मौसम में ही मुख्य फसल उगा ली जाती है क्योंकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। हालाँकि वहाँ पर तालाब, कुआं, बोरवेल एनिकट है । ग्रीष्म ऋतू में जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जलस्तर 250 फुट से भी नीचे चला गया है। विचार करने योग्य बात यह है कि यदि वर्तमान में जमीन में पानी इतना गहराई में चला गया है और ग्रीष्म ऋतू में पानी ख़त्म हो जाता है तो

कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा। इसके साथ ही वर्तमान में जो स्थिति बारिश की मात्रा और पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है । वर्तमान में गाँव में 22 हैंडपंप है और आधे से ज्यादा गर्मी में सूख जाते है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 39 कुऐं, 1 तालाब और नाला है। लेकिन अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते है। गाँव में गेहूँ, ग्वार, मक्का, उडद, तुहर, चने की खेती की जाती है, जो कि केवल 4 या 5 माह ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दुकान गाँव में ही दोवड़ा में है। राशन की दुकान पर गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है ।

आजीविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार का मुख्य साधन या तो खेती है अन्यथा मजदूरी एक मात्र आजीविका चलाने का साधन है । रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। गाँव में नरेगा पर काम मिलता है। जिसमें गाँव की 80 प्रतिशत महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। जिसके लिये जवाब मांगने पर बैंक खातों के स्थानान्तरण की बात कह कर टाल दिया जाता है।

सरकारी योजनओं से वंचित लोग

गाँव में 2 विधवा महिला को पेंशन नहीं मिल रही है जिसके लिए उन्होंने सात माह तथा दो वर्ष पहले आवेदन किया था । 60 परिवार आवास योजना से वंचित है जिन्होंने तीन वर्ष से आवेदन कर रखा है । वर्ष 2002 से 100 परिवारों को बी.पी.एल., 50 परिवारों को स्टेट बी.पी.एल., 30 परिवारों को अन्त्योदय योजना में नहीं जोड़ा है जबकि वे इसके लिए पात्रता रखते है । 4 महिलाओं को एकलनारी पेंशन नहीं मिल रही है । 200 लोगो के श्रमिक कार्ड नहीं बने है। गाँव में 20 परिवार उज्ज्वला गैस योजना से वंचित है

अन्य

गाँव में 3 सामुदायिक भवन है लेकिन सभी की हालत ख़राब है क्योंकि इनमे बारिश के मौसम में पानी टपकता है । 2 श्मशान घाट है लेकिन वहाँ टीनशेड, छाया और बैठक की व्यवस्था नहीं है । बस स्टैंड पर शौचालय नहीं है । गाँव में शुद्ध पीने के पानी के लिए आर.ओ. की सुविधा नहीं है जिस कारण निवासी फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए मजबूर है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नाला नहर एनिकट तालाब कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में 1 नाला है। जो बारिश के मौसम में चालू रहता है लेकिन बारिश के मौसम के एक माह तक ही सूख जाता है । 3 नहरें है जिनकी हालत खस्ता है और काम भी अधूरा पड़ा है । 2 एनीकट बने हुए है और वे सही स्थिति में है, उनमे भी पानी बारिश के समय ही रहता है । गाँव में 39 कुएं और 22 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव में सिंचाई और मवेशीयों के पानी के लिये 1 तालाब है लेकिन गर्मी समाप्त होने से पहले ही सभी में पानी सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है।	गाँववासियों के अनुसार यदि तालाब को गहरा करवा कर रिंगवाल बने तो ज्यादा समय तक पानी रह सकता है और सिचाई भी पूरी हो सकती है । नाला कुछ जगह स क्षतिग्रस्त हो गया है उसे पक्का बनाने से जमीन का कटाव नहीं होगा । दोनों एनीकट से अगर नहर आगे बढाई जाये तो खेतों में पानी की सुविधा अच्छी हो सकती है । नाले के रास्ते पर छोटे छोटे चेकडेम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का तो जलस्तर ऊंचा होगा ही तालाब में भी पानी अधिक समय तक रुक जाएगा और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। गाँव में बरसात के पानी को रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए ।
जमीन	गाँव में जमीन समतल नहीं है,	गाँव की उबड़-खाबड़ जमीनों को अपना

कृषि भूमि बिलानाम भूमि चरागाह	अधिकतर छोटी पहाड़िया, उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन है। गाँव में 30 बीघा बिलानाम जमीन है जिसमें से आधी जमीन को सरकारी संस्थाओ के लिए सर्व सहमति से छोड़ा गया है । गाँव में चारागाह भी है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। समतल भूमि ही सिंचित है बाकी जमीनें असिंचित है। असिंचित भूमि पर बरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है।	खेत अपना काम योजना के तहत समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। पाईप लाइन की व्यवस्था करके सिंचाई की कमी पूरी हो सकती है । गाँव की बेकार पड़ी जमीन जिस पर किसी प्रकार की खेती या उपज नहीं होती है, को गाँवसभा के अधीन करके उस पर भी वृक्षारोपण किया जा सकता है और उससे आय के साधन बनाए जा सकते हैं। खाली जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में 7 पक्की सड़क है लेकिन इनकी हालत काफी ख़राब हो चुकी है। 6 सी.सी. सड़क है। एक सी.सी. सड़क और पक्की सड़क में गड्डे पड़ गये है जिसके कारण हादसों की सम्भावना बनी रहती है।	गाँव की पक्की सड़क को सही किया जाये । यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़को को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही पक्की सड़को के किनारों पर नालियाँ निकाली जाये और रोड लाइट की व्यवस्था होनी चाहिए ।
स्कूल	गाँव में एक प्राइमरी स्कूल और एक सीनियर सेकेंडरी स्कूल है। प्राइमरी स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है। सीनियर सेकेंडरी स्कूल में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । स्कूलों में अध्यापको की कमी है ।	प्राइमरी स्कूल में छत के ऊपर चाइना मोजिक करवाकर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। इसके अलावा सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है। खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है ।
सामुदायिक	गाँव में 3 सामुदायिक भवन है	छत की मरम्मत करवानी है ।

भवन	लेकिन इनमे बारिश के मौसम में पानी टपकता है ।	
आंगनबाड़ी केंद्र	गाँव में 1 आंगनबाड़ी केंद्र है लेकिन इसकी छत से बारिश के मौसम में पानी टपकता है और फर्श भी टूट गयी है ।	छत और फर्श की मरम्मत करवानी है ।
चौराहा	गाँव में 3 चौराहे है जो टुटे है।	इसकी मरम्मत करवा कर अच्छा करना है।
बस स्टैंड	गाँव के बस स्टैंड पर शौचालय नहीं है ।	शौचालय निर्माण करवाना है।
शमशान घाट	गाँव का दोनों शमशान घाट पूरी तरह से टूट चुके है, ना तो वहां पर टीनशेड है ना ही चबूतरा है।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और एक बैठक के लिए भवन बनवाना है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान

क्र. सं.	**समस्याएं**	**सार्वजनिक / व्यक्तिगत**	**कारण**	**समाधान**	**तात्कालिक / दीर्घकालिक**
1	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में केवल 1 प्राथमिक स्कूल और 1 सीनियर सेकंडरी स्कूल ही है, अध्यापक भी समय पर नहीं आते है । प्राइमरी स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है। सीनियर सेकेंडरी स्कूल में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है ।	गाँव में एक और प्राथमिक स्कूल की व्यवस्था की जाये और सीनियर सेकंडरी में सभी व्यवस्थाये पूरी और अच्छी दी जाये । अध्यापको को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये ।	तात्कालिक

2	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 39 कुएं और 22 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है । गाँव का जलस्तर 250 फिट से निचे चला गया है।	जो हैंडपंप बंद हो गये है जिनमे पानी कम आने लगा है उन्हें गहरा करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव में एनिकट और चेकडैम निर्माण करना और गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	**दीर्घकालिक**
3	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए 1 नाला और बरसात का पानी गाँव में रोकने के लिए 2 एनिकट और 1 तालाब है लेकिन बोरवेल की संख्या अधिक होने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेक डैम का निर्माण। गाँव के नाले में पानी रोकने की योजना। घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना ।	**तात्कालिक**

4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में पक्की और सी.सी. सड़को की हालत तेज बारिश होने के कारण काफी ख़राब हो गयी है जिसके कारण हादसों की संभावना बनी रहती है ।	गाँवसभा कमेटियों के गठन के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं और टूटे हुए रास्तों को फिर से ठीक करना और कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना । सड़क किनारे नालियों की व्यवस्था और रोड लाइट की व्यवस्था करना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन और उसके भुगतान संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत**	गाँव में आवास योजना में सबसे बड़ी समस्या यह है कि जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं उनमें से ज्यादातर लोगों का पूरा भुगतान नहीं हुआ है। गाँव में जिन लोगों को आवास की बेहद जरूरत है उनके आवास गरीबी के कारण नहीं बने हैं साथ ही यह कारण दिया जाता है की जन गणना के दौरान उनका नाम उस लिस्ट में बी.पी.एल. की सूचि में नहीं है । जो सक्षम लोग हैं उनके आवास बन गए हैं । पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**

			अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है।		
6	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	लोग कई पीढ़ियों से गाँव में बसे हैं लेकिन जितनी भूमि पर वह काबिज है उसकी खातेरदारी का हक उनको नहीं मिला है। सरकार की अघोषित नीतियों के कारण राजस्व विभाग ने खातेदारी हक देना बंद कर दिया है। जिसके कारण भविष्य में उनकी जमीन आसानी से छीन जाने का संकट खड़ा हो गया है।	काबिज भूमि पर सामूहिक दावा करना। पट्टे की जमीन जिसकी पैनल्टी राजस्व विभाग ने लेना बंद कर दिया है उसे कोर्ट में जमा करना क्योंकि पेनल्टी नहीं देने से पट्टा खारिज हो जाएगा और धारा 91 के अनुसार काबिज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।	**दीर्घकालिक**
7	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में ही है लेकिन वहां और भी दूसरे गाँव से लोग आते है और अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न होने की समस्या आती रहती है । अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है, शक्कर और केरोसिन त्यौहार पर मिलता है ।	राशन डीलर को पाबंद कर समय पर दुकान खोलने और पूरा राशन दिलवान और जिन लोगों को राशन नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	W- Weakness कमजोरी	O- Opportunities अवसर	T- Threats चुनौतियां
आवागमन - कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क पक्की सड़कें	पक्की सड़क केवल गाँव में जाने के लिए,कच्चे रास्ते को आर.सी.सी. नहीं करना। पगडंडी को चौड़ा नहीं करना। टूटी हुई पक्की सड़क और सी.सी. सड़क को सही नहीं करवाना। रोड लाइट की मांग नही ।	रास्ते ठीक होने से गाँवमें साधन आ जा सकते हैं जिससे छोटे मोटे व्यवसाय किए जा सकते हैं। लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी। रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी ।	गाँव सभा कमेटी का मजबूती से काम नहीं करना, सरकार तथा पंचायत की उदासीनता और गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी। समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना ।
जल नाला तालाब एनिकट नहर कुआं बोरवेल हैंड पंप	गाँव में 1 नाला है जिसपर 2 एनिकट भी बने है लेकिन गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । तीनो नहरों का काम जगह जगह से अधूरा है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। गाँव में जल की कमी ना हो इसके लिए गाँव के लोगों की जागरूकता में कमी। जल संरक्षण के बारे में गाँव वालों में	कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण, नहरों के अधूरे काम को पूरा किया जावे, पानी को रोकने के लिए पक्की टंकी का निर्माण करवाना । बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से अगर रोका जाए तो गाँव में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने को कोई कार्ययोजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता।

	जागरूकता न होना । सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना ।	किया जाता हैं। बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से निचे न जाये । गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।	
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। कृषि उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, चारागाह का अच्छा प्रबंधन, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। घरेलु उद्योग भी किये जा सकते है।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	गाँव की खाली पड़ी जमीन का प्रयोग नहीं होना। सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन के पट्टे ना होना ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -

प्रस्तावित कार्य	**संख्या**	**लाभार्थी परिवारों की संख्या**
<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> खेत समतलीकरण मेड़बंदी, रिंगवाल कुआं गहरीकरण मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण	 11 6	
पी.एम., सी.एम. आवास योजना	39	

शमशान घाट निर्माण	2	
गंगा घाट आर.ओ. निर्माण	1	
हिंगलाज माताजी के मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण के संबंध में	1	

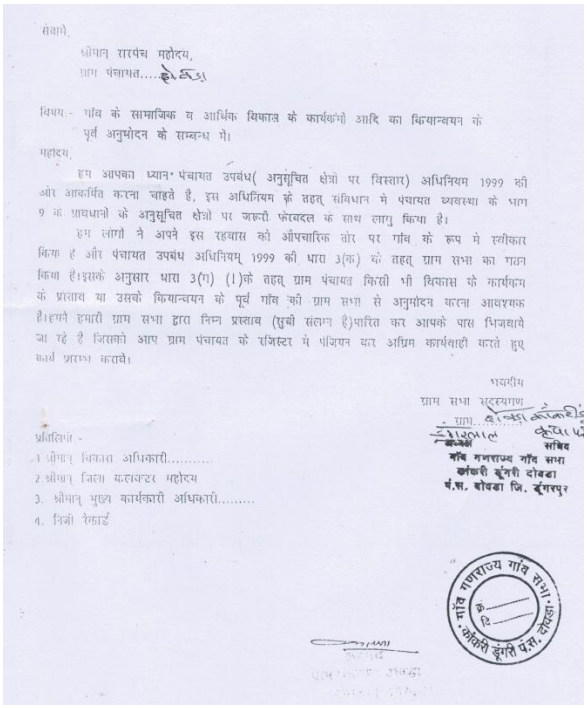

सेवामें,

श्रीमान सरपंच महोदय,

ग्राम पंचायत.....दोवड़ा

विषय:- गांव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गांव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (I)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गांव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

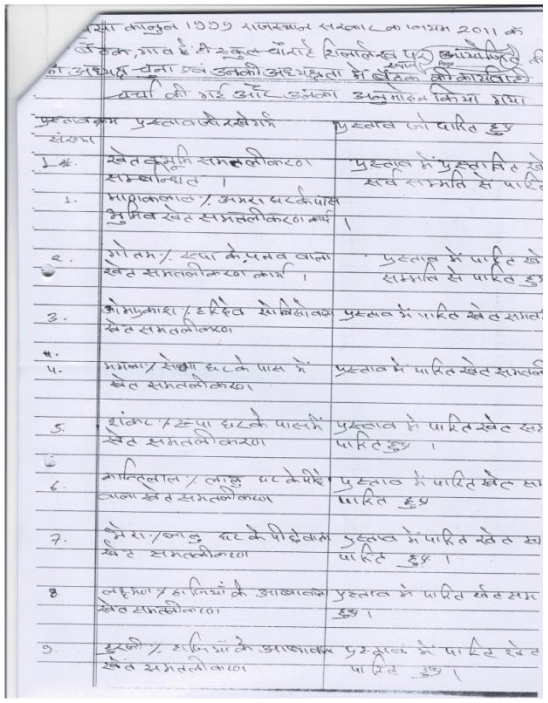

भवदीय

ग्राम सभा सदस्यगण

ग्राम....कांकरी डूंगरी

अध्यक्ष सचिव

गांव गणराज्य गांव सभा

कांकरी डूंगरी दोवडा

पं.स. दोवडा जि. डूंगरपुर

प्रतिलिपि :-

1 श्रीमान् विकास अधिकारी..........

2.श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय

3. श्रीमान् मुख्य कार्यकारी अधिकारी.........

4. निजी रेकार्ड

वर्षा कानून 1999 राजस्थान सरकार का नियम 2011 के ... [illegible]

प्रस्ताव जो पारित हुए

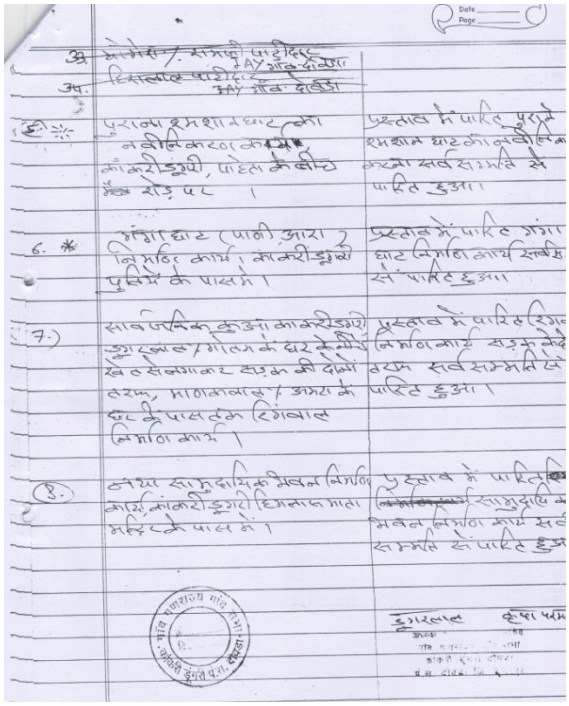

5. पुराना श्मशान घाट का नवीनिकरण कार्य कांकरी डूंगरी, पाड़ला के बीच मैन रोड पर। | प्रस्ताव में पारित पुराने श्मशान घाट का नवीनिकरण सर्व सम्मति से पारित हुआ।

6. गंगा घाट (पानी आरा) निर्माण कार्य, कांकरी डूंगरी पुलिये के पास में। | प्रस्ताव में पारित गंगा घाट निर्माण कार्य सर्वसम्मति से पारित हुआ।

7. सार्वजनिक कुआं कांकरी डूंगरी ... [illegible] ... दिवाल निर्माण कार्य। | प्रस्ताव में पारित दिवाल निर्माण कार्य ... सर्व सम्मति से पारित हुआ।

8. नया सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, कांकरी डूंगरी हिंगलाज माता मन्दिर के पास में। | प्रस्ताव में पारित सामुदायिक भवन निर्माण कार्य सर्व सम्मति से पारित हुआ।

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. डूंगरलाल परमार 9602881674

2. कृपा परमार 9610098240

3. दिनेश ननोमा 7742021694

4. रसी देवी परमार 9680481521